

10/p

वकील वादी / उभयपक्ष उप० । वकील वादी ने प्रा०

पत्र पेश कर वाद को विद्वा / नोट प्रेस में स्वारिज

किए जाने का विवेचन किया । अतः मन्वावली को

इसी स्तर पर स्वारिज किया । न. नं. ३ पत्रवाली

फैसला शुमार नं. से कम का जाकर ताखिल

दफ्तर हो । ~~पार्थी नर फिरे ले जा पत्र लगाते देतु~~

~~स्वतन्त्र रहे ।~~

4.8